भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3076 का उत्तर

रेल-आधारित कोयला ढुलाई की भूमिका

3076. श्रीमती रुचि वीरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में स्थित पीतल संबंधी हस्तशिल्प इकाइयों जैसे लघु उद्योग समूहों को सहायता प्रदान करने में रेल-आधारित कोयलों की ढुलाई की भूमिका का आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त जिले में औद्योगिक ईंधन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा अपनाए जाने वाले संभार तंत्र योजना, समन्वय और माल ढुलाई संबंधी उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों के लिए कच्चे माल की ढुलाई की विश्वसनीयता बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा प्रस्तावित अवसंरचना/सेवा-स्तर में सुधार के उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): राज्य में औद्योगिक उपभोक्ताओं और अधिकृत कोयला वितरकों को कोयले की आपूर्ति कोयला कंपनियों द्वारा मांग और उपलब्धता के अनुसार की जाती है। सरकार, कोयला मंत्रालय और भारतीय रेल के समन्वित प्रयासों के माध्यम से, कोयला क्षेत्रों से कोयले

की आपूर्ति में सुधार के लिए विभिन्न उपाय करती है। इनमें बेहतर उत्पादन योजना, सिंगल विंडो मोड एग्नोस्टिक (एसडब्ल्यूएमए) ई-नीलामी और संपर्कता तंत्र सहित कोयला बिक्री चैनलों का विविधीकरण और खदानों से उपभोग क्षेत्रों तक कोयले के कुशल निकासी और परिवहन के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ गहन समन्वय शामिल है। भारतीय रेल पर्याप्त रेक उपलब्धता, कुशल माल ढुलाई परिचालन और कोयला क्षेत्रों तथा खपत केंद्रों के बीच संपर्कता सुनिश्चित करके इस प्रक्रिया में सहयोग करती है। ये उपाय देश भर में फैले लघु और पारंपरिक विनिर्माण क्लस्टरों सहित विभिन्न औद्योगिक उपभोक्ताओं को कोयले की स्थिर उपलब्धता और समयबद्ध आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

भारतीय रेल देश भर में लघु उद्योगों सहित औद्योगिक क्लस्टरों को बनाए रखने में रेल आधारित कोयला परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका को पूरी तरह से पहचानती है। मुरादाबाद क्षेत्र में विभिन्न उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रामपुर, गढमुक्तेश्वर और रोजा स्टेशनों पर आवक कोयले रेकों की संभलाई की जा रही है। मुरादाबाद के निकटतम रेल शीर्ष रामपुर (27 किमी) ने चालू वित्त वर्ष के दौरान फरवरी 2026 तक 45 कोयला आवक रेक संभाले हैं। इसके अलावा, क्षेत्र के पास स्थित गढ़मुक्तेश्वर और रोजा में माल गोदामों ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान फरवरी 2026 तक क्रमशः 123 और 15 कोयला आवक रेक संभाले हैं।

संभलाई क्षमता को संवर्धित करने और अंतिम छोर संपर्कता में सुधार के लिए, भारतीय रेल ने गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति शुरू की है। यह मशीनीकृत लदान/उतराई प्रणालियों वाले निजी कार्गो टर्मिनलों के विकास को सुविधाजनक बनाती है, जिससे संकुलन कम होता है और परिचालनिक दक्षता में सुधार होता है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति के तहत, मुरादाबाद जिले और उसके आसपास के 2 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों सहित देश भर में 125 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल परिचालित किए गए हैं। हाल ही में, फरवरी 2025 में

मुरादाबाद से केवल 12 किमी दूर दलपतपुर स्टेशन पर एक नया गति शक्ति कार्गो टर्मिनल कमीशन किया गया है।

******